



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 334]

नई दिल्ली, बुध्पतिवार, अगस्त 11, 1994/श्रावण 20, 1916

No. 334] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 11, 1994/SRAVANA 20, 1916

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1994

संख्या 36/94—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 619(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1994 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) नियम, 1994 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. उक्त नियमों के नियम 100 व के उपनियम (1) और उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रद्द जाएँगे, अर्थात् :—

- (1) “जब कोई विनिर्मिता उत्पाद-शुल्क्य माल, (i) मुक्त व्यापार क्षेत्र में भारत में किसी अन्य स्थान को ; या (ii) शून्य प्रतिशत निर्यातान्मुख उपक्रम में भारत में किसी स्थान को,

हटाना चाहता है तो वह ऐसे माल को कारखाने के स्वामी या उसके प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित वीजक के अधीन हटाएगा ;

परन्तु :—

- (क) ऐसे वीजक में माल का मूल्य और उसमें अन्तर्दलित शुल्क को शब्दों और अंकों दोनों पक्षक रूप में उपदर्शित किया जाएगा ;
- (ख) ऐसी अन्य विशिष्टियाँ जो यथा स्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क कन्ट्रोलर विनियमित करें ;

(ग) माल हटाए जाने के चौबीस घंटे के भीतर बीजक की तीमरी प्रति समुचित अधिकारी को भेजी जाएगी” ।

3. उक्त नियमों के नियम 100 ड के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“100 ड. बीजक का जारी किया जाना (1) कोई उत्पाद शुल्क माल, —

(i) मुक्त व्यापार क्षेत्र से भारत में किसी अन्य स्थान को ; या (ii) शत प्रतिशत निर्यातमुख्य उपक्रम से भारत में किसी अन्य स्थान को,

ऐसे माल पर उद्घाटनीय शुल्क के संज्ञाय और विनिर्माता या उसके प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित बीजक के अधीन के सिवाय नहीं हटाया जाएगा ।

(2) (क) बीजक तीन प्रतियों में अमिट पेंसिल दोहरे कार्बन का उपयोग करते हुए बनाया जाएगा और उसे न तो तोड़ा मरोड़ा जाएगा, न ही उसमें लिप्त लेखन घुड़ियां होंगी या उसे मिटाया जाएगा ।

(ख) ऐसे बीजक की तीनों प्रतियां निम्नानुसार चिन्हित की जाएंगी :—

(1) मूल प्रति क्रेता के लिए

(ii) दूसरी प्रति परिवहनकर्ता के लिए

(iii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के लिए ; और

(iv) चौथी प्रति निर्धारिनी के लिए

(ग) उक्त मूल प्रति उसके गंतव्य स्थान को, परेषण के साथ लगाई जाएगी और किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा मांग करने पर बाहक द्वारा तब प्रस्तुत की जाएगी जबकि माल यथा स्थिति मुक्त व्यापार क्षेत्र या शत प्रतिशत निर्यातमुख्य माध्यम से अपने अपने गंतव्य स्थान को और रास्ते से जाया जा रहा है ।

(3) (क) यदि सभी समाविष्ट पैकजों का एक परेषण एक ही लाट में एक ही समय पर भेजा जाता है तो ऐसे परेषण बाबत एक ही बीजक तैयार किया जाएगा ।

(ख) जहां कोई परेषण दो या अधिक लाटों में विभाजित है, जिसमें से प्रत्येक या तो उसी दिन या विभिन्न दिनों पर अलग-अलग भेजा जाता है तो वहां प्रत्येक ऐसे लाट की बाबत एक अलग बीजक तैयार किया जाएगा ।

(ग) जहां परेषण एक ही अधिक यान, जलयान, लद्दू पशु या प्रवहन के अन्य साधनों से लादा गया है जो एक साथ यात्रा नहीं करते हैं किन्तु पृथक्त् या किन्हीं अन्तगलो पर करने हैं, वहां प्रत्येक यान जलयान लद्दू पशु या प्रवहन के अन्य साधनों की बाबत एक अलग बीजक तैयार किया जाएगा ।

4 उक्त नियमों के नियम 100 ड के उपनियम (1) का लोप किया जाएगा ।

4.5 उक्त नियमों के नियम 100 ज के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण एक अध्याय के प्रयोजन के लिए “बीजक शब्द से निर्धारिनी के अपने दस्तावेज जैसे बीजक चालन सूचना या इसी प्रकार की अन्य दस्तावेज जिनका उपयोग सामान्यतः उत्पाद शुल्क माल के विक्रय या उसको हटाए जाने के लिए किया जाता है, अभिप्रेत है ।

[फा. सं. 260/19/94-सी एक्स-8]

आई. पी. लाल, उप सचिव

टिप्पण:—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या IV डी सी ई, दिनांक 28 फरवरी 1994 में प्रकाशित हुए थे ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 1994

No. 36/94-CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 619 (E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules).—

1. (i) These rules may be called the Central Excise (Amendment) Rules, 1994.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 100 D of the said rules for sub-rule (1) and sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(1) “when a manufacturer desires to remove excisable goods,—

(i) from a free trade zone to any other place in India ; or

- (ii) from a hundred percent export-oriented undertaking to any place in India,

he shall remove such goods under an invoice signed by the owner of the factory or his authorised agent :

Provided that—

- (a) such invoice shall indicate the value of goods and duty involved separately (both in words and figures) ;
- (b) such other particulars as may be specified by Central Board of Excise and Customs or Collector of Central Excise and Customs, as the case may be;
- (c) Triplicate copy of the invoice shall be forwarded to the proper officer within twenty-four hours of the removal of goods”.

3. Four rule 100E of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“100E. Issue of Invoice,—(1) No excisable goods shall be removed.—

- (i) from a free trade zone to any other place in India; or
- (ii) from a hundred per cent export-oriented undertaking to any other place in India.

except on payment of duty of excise leviable on such goods and under an invoice signed by the manufacturer or his authorised agent.

(2)(a) The invoice shall be made in triplicate with indolible pencil, using double-sided carbon and shall contain no mutilation, over-writing corrections, or erasures.

(b) The three copies of such invoice shall be marked as under.—

- (i) original copy for buyer ;
- (ii) duplicate copy for transporter;
- (iii) triplicate copy for Central Excise; and

- (iv) quadruplicate copy for the assessee.

(c) The said original copy shall accompany the consignment to its destination and shall be produced by the carrier on demand by any Central Excise Officer while the goods are en-route to its destination and through the free trade zone or from a hundred per cent export-oriented undertaking as the case may be.

(3) (a) If all the packages comprising a consignment are despatched in one lot at any one time, only one invoice shall be made out in respect of the consignment.

(b) Where a consignment is split into two or more lots, each of which is despatched separately either on the same day or on different days, a separate invoice shall be made out in respect of each such lot.

(c) In case a consignment is loaded in more than one vehicle, vessel; pack animal or other means of conveyance, which do not travel together but separately or at intervals, a separate invoice shall be made out in respect of each vehicle, vessel pack animal or other means of conveyance.”.

4. In rule 100 E of the said rules, sub-rule(1) shall be omitted.

5. After rule 100 H of the said rules, the following Explanation shall be added, namely :—

“Explanation : For the purpose of this chapter the term “invoice” means the assessee's own document such as invoice challans, advice or other document of similar nature generally used for sale or removal of excisable goods”.

[F. No. 260/19/94-CX-8]

Foot Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide notification No.

I. P. LAL, Dy. Secy.
IV D-C.E., dated the 28th February, 1994.

